Dr. REETU RAJ

Assistant Professor

Department of HISTORY

RAJA SINGH COLLEGE SIWAN

(Jai Prakash University Chapra)

Lecture Notes on **“_वियना कांग्रेस के उद्देश्य एवं कार्यों की समीक्षा करें।"**(Note -1)

(for TDC Part 2 HISTORY HONOURS)

वियना कांग्रेस के उद्देश्य एवं कार्यों की समीक्षा करें।

वियना की कांग्रेस (Viena Congress) यूरोपीय देशों के राजदूतों का एक सम्मेलन था, जो सितंबर 1814 से जून 1815 को वियना में आयोजित किया गया था। इसकी अध्यक्षता ऑस्ट्रियाई राजनेता मेटरनिख ने की।[1] कांग्रेस का मुख्य उद्देश्य फ्रांसीसी क्रांतिकारी युद्ध, नेपोलियन युद्ध और पवित्र रोमन साम्राज्य के विघटन से उत्पन्न होने वाले कई मुद्दों एवं समस्याओं को हल करने का था।

नैपोलियन को वाटरलू की पराजय के पश्चात् सेंट हेलेना द्वीप निर्वासित कर दिया गया, तत्पश्चात् आस्ट्रिया की राजधानी वियना में यूरोप की विजयी शक्तियां 1815 में एकत्रित हुई। उद्देश्य था, यूरोप के उस मानचित्र को पुनर्व्यवस्थित करना जिसे नेपोलियन ने अपने युद्ध और विजयों से उलट-पटल दिया था। वस्तुतः आस्ट्रिया के चांसलर मेटरनिख ने नेपोलियन के विरूद्ध मोर्चा बनाने में

महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, इसीलिए उसकी पहल पर आस्ट्रिया की राजधानी वियना में कांगे्रस बुलाई गई थी।

इस सम्मेलन में यूरोप के कई छोटे-छोटे देश शामिल हुए किन्तु नीति निर्माण के संबंध में चार मुख्य देशों के प्रतिनिधियों की भूमिका महत्वपूर्ण रही। ये नेता थे- आस्ट्रिया का चांसलर मेटरनिक, रूस का जार एलेक्जेंडर, इंग्लैंड का विदेश मंत्री लॉर्ड कैसलरे तथा फ्रांसीसी विदेश मंत्री तैलरा।

वियना कांग्रेस के समक्ष समस्याए।

(१) नेपोलियन ने फ्रांसीसी क्रांति के उच्च आदर्शों को यूरोप में फैलाया था। इन सिद्धान्तों को कैसे रोका जाए जिससे बढ़ती राष्ट्रीयता की भावना अन्य साम्राज्यों को विखंडित न कर दे।

(२) नेपोलियन द्वारा विजित क्षेत्रों के साथ किस प्रकार की नीति अपनाई जाए।

(३) कुछ राष्ट्रों ने स्वेच्छा से तो कुछ ने डरकर नेपोलियन का साथ दिया था। इनके साथ कैसा सुलूक किया जाए?

(४) वियना कांग्रेस में मेटरनिक और जार प्रतिक्रियावादी थे, तो कैसलरे एवं तैलरा उदारवादी। ऐसी स्थिति में फ्रांस के साथ किए जाने वाले बर्ताव को लेकर मतभेद भी कायम था।

वियना कांग्रेस के उद्देश्य एवं कार्यों की समीक्षा करें।

नेपोलियन के पराजय के पश्चात अस्त व्यस्त यूरोप की पुर्णव्यवस्था तथा परस्पर विभिन्न विरोधि सिद्धान्तों ने समझौता करने के उद्देश्य से 1815 में आस्ट्रिया की राजधानी वियना में एक सम्मेलन का आयोजन किया इसे ही वियना कांग्रेस के नाम से जाना जाता है। नेपोलियन ने अपनी विध्वंस कारी युद्धों से संपूर्ण यूरोप को ध्वस्त कर दिया। अत: उसकी शक्ती को कुचलने के उद्देश्य से इस कांग्रेस का आयोजन किया गया था। वाटरलू के विजेता क्रांति विरोधी थे जो विनिष्ट हो चुका था। उसका वे पुर्णस्थापना करने तथा पुर्णस्थापना व्यवस्थाओं को

सुरक्षित रखने के लिए वे कटिबाध्य थे। इसी उद्देश्य से वियना कांग्रेस प्रारंभ हुआ था। जिसमें 19वीं शताब्दी के यूरोपीय राजव्यवस्था की आधार शिला रखी गई थी। नेपोलियन को पारजित करने में आस्ट्रिया के प्रधानमंत्री मेटर्निक का प्रमुख हाथ था। वे महान राजनीतिज्ञ थे। उन्ही के चलते वियना कांग्रेस का सम्मेलन आस्ट्रिया की राजधानी वियना में किया गया। इसका प्रथम अधिवेशन 15 सितम्बर 1814 को ही आरंभ हो चुका था। इस सम्मेलन में रुस के जार एल्कजेन्डर प्रथम प्रशा के शासक फ्रेडरकि विलियम तृतीय आस्ट्रिया के मेटर्निक फ्रांस के टेलराँ तथा इंगलैंड के विदेश मंत्री लार्ड कैसलरे आदि शामिल थे इसमें तुर्की को छोड़ कर यूरोप के सभी छोट-बड़े शासक उपस्थित हुए थे।

References: Internet & Competitive books.